→16.11.2017

DAINIK JAGRAN

अभिनंदन आश्रम के अध्यक्ष और महासचिव ने किया राष्ट्रपति का स्वागत, योगदा आश्रम का चल रहा है शताब्दी वर्ष

योगदा आश्रम देखकर अभिभूत हो गए राष्ट्रपति

जागरण संवाददाता, रांची : राष्ट्रपति बुधवार को योगदा आश्रम में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित परमहंस योगानंद की भागवत गीता पर हिंदी टीका 'ईश्वर-अर्जुन संवाद' के लोकार्पण के मौके पर बोल रहे थे। मंच पर आते ही राष्ट्रपति ने आश्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कहा, यहां प्रकृति और वातावरण का अनूठा मेल देख रहा हूं। पहले सोचा था कि मंदिर होगा। उसका छोटा सा कंपाउंड होगा, लेकिन यहां आकर पता चला कि यह 18 से 20 एकड़ में फैला हुआ है। उस वृक्ष को भी देखा, जहां स्वामी जी बैठा करते थे। उस वृक्ष को भी सौ साल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि गीता पर लिखी टीका का विमोचन करने का मौका मिला। अभी कुरुक्षेत्र में भी 25 से 30 नवंबर तक गीता ज्ञान का आयोजन हो रहा है, जिसमें भाग लेना है। उन्होंने योगदा सत्संग के आश्रमों और ध्यान-केंद्रों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, प्राकृतिक आपदाओं से आहत लोगों की सहायता, अनाथ बच्चों के लालन-पालन और कुष्ठ रोगियों की सेवा आदि क्षेत्रों में योगदान की सराहना की।

शताब्दी वर्ष मना रहा आश्रम

आश्रम के महासचिव स्वामी स्मरणानंद गिरि ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए गीता की इस टीका के बारे में बताया और कहा कि आश्रम का यह शताब्दी वर्ष चल रहा है। गीता की यह टीका अंग्रेजी में थी। अब यह हिंदी में आई है। परमहंस ने इसकी अलग व्याख्या की है। परमहंस ने क्रिया योग को फैलाया। यह क्रिया योग गीता से ही लिया गया है। गीता हमें विवेक प्रदान करती है।

संबोधित करते महासचिव स्मरणानंद गिरी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का स्वागत करते योगदा सत्संग सोसाइटी के अध्यक्ष व महासचिव।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री सुदर्शन भगत, सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, नगर विकास मंत्री सीपी सिंह, खाद्य-आपूर्ति मंत्री सरयू राय, पशुपालन मंत्री रणधीर सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह सेठी, अपर मुख्य सचिव अमित खरे, कार्मिक सचिव निधि खरे सहित शहर के गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

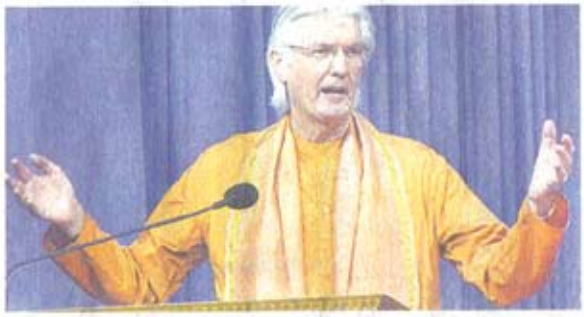

समारोह में बोलते अध्यक्ष स्वामी चिदानंद।

अमेरिका में पैदा हुआ परंतु मेरी आत्मा भारतीय : चिदानंद

इस अवसर पर योगदा सत्संग सोसाइटी/सेल्फ रियलाइजेशन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद ने कहा कि आध्यात्मिक सोच लोगों को जोड़ता है, तोड़ता नहीं है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के तत्वों को भारत के ऋषियों-सद्गुरुओं के चिंतनों के तत्व को पूरे विश्व में परमहंस योगानंद ने फैलाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि अपने गुरु स्वामी युक्तेश्वर जी के निर्देश पर उन्होंने गीता की व्याख्या वैज्ञानिक दृष्टिकोण से की है। पश्चिम के देश में उन्हें 'फादर ऑफ योगा' के रूप में जानते हैं। उन्होंने कहा कि गीता का अनुवाद कई लोगों ने किया है, लेकिन ईश्वर-अर्जुन संवाद (गीता) उनसे अलग है। ईश्वर अर्जुन संवाद में जीवन के कई पहलुओं को विस्तार से समझाया गया है। भारत ने दुनिया को अध्यात्म और योग दिया। उन्होंने कहा कि भले ही मैं अमेरिका में पैदा हुआ, लेकिन मेरी आत्मा भारतीय है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हवा, रौशनी, जल मनुष्य के लिए आवश्यक है, उसी प्रकार योग भी अपरिहार्य है। स्वामी ईश्वरानंद ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आरंभ में स्वामी चिदानंद, स्वामी स्मरणानंद, स्वामी विद्यानंद ने पुष्प गुच्छ एवं शॉल देकर राष्ट्रपति, राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री रघुवर दास का स्वागत किया।

विमोचन समारोह में मौजूद सांसद, मंत्री, विधायक और अन्य गणमान्य लोग ● जागरण